



गङ्गाधर च लि ॥ गतिः ॥ यि ॥
 सात कि हि जा गति ग यि ॥ दिया
 लि ॥ न ॥ गङ्गाधर च लि ॥ यि ॥
 वं न ॥ दिया ला वं न ॥ को चो लि ॥ १ ॥ यात
 पुन वं न ॥ कि हि जा ॥ न न म ॥ पं ॥
 पा न कि वि नो ॥ २ ॥ सा दे व कि पं ग
 लि ॥ कं ॥ म क ॥ लि ॥ सा दे व न

॥ ३ ॥ तिका तिदंताः सननरमा
॥ ४ ॥ तिका तिदंताः सननरमा

५२	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
५२	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

जाग ॥ १० ॥ यथिद स्त्री नद राधा को चंद नाम न क
नर गनरा न वास न राखी साधु न रासा गल यथि ॥ १ ॥

वाला स्व कलस मति न स वि कदा को लो क था य स वा
क थर लिङ्ग सा दा मा मन स्व दा ब मा ह न पि य गो या क
यथि ॥ १२ ॥ ग्ग लि नि या के स र द न पु स स्व या व न या ॐ ॐ ज मि
न स य के स र द को ग्ग लि नि व स या ना म का ले द व म नी न

यथि ॥ १३ ॥ • थर लि सिया व उग्र न धा ना ॐ मा म क थि जो
से लि के न ल कंठ उ धा न वि व का प्र ह ग ग न या थि क थि
॥ १४ ॥ का लि ना ग या रो स या द न स से का स लि व से वि या क ना थि क
या व या स से क द व मा या रो स दि से सि या क थि ॥ १५ ॥ धि य सि
च न न रि न ग ना व ना ना य ह ग मि ता व म द प द म म ग्ग लि द क स
न द को गी हा न न न रि न प द म म ग्ग लि थि इ का न द्रु ज या का
य ना म न क क ल न व न ग न वा न न रा वा न कु न रा वा न थि ॥ १६ ॥

३१ जागः पू॥ नादसदस मनस्वा वा भजे विजे ह न करना॥ १॥
 नावते हे पलये वत नहिः कवन विधा सोत नना॥ १॥ यदि
 संसा जल काथकि वालिस्सु मिसु मिसु पयै ग धजना॥ २॥ यदि
 संसा लस रग्नि नदि न कयः विसु हिन धन जना म जना॥ ३॥
 कहे नान कय थ घदि गुन गम ७५ यः जपत जपत वा जना॥ ४॥
 जाग जे दि॥ ५॥ विगन का यम दया॥ ६॥ बाल उ निहे गुलि
 या सिर स चे दृमा तथा मोर सा लगल सकोषायाः केति केति सस

गुया ते जगत् सो वस के या भय कर धन लर पवया॥ १॥ दि रामनी
 मति कय मर कस थ से तथा कस स के नल र विधा मो ति या
 हो र न ति या सो से सो दि • वेता ल या रु या जा वि त ल ज स रि या॥ २॥
 ह न न न ह न या स व द न ज ग व या वि स र ल प दे व य रि या दे व वि सा व के या म
 गति न या क गु या की या द न ज म अन निया॥ ३॥ नाग न सा धू ज या दे मा या
 वे हो रु या लो न धि पा लि स म दे या मा या मो ह पो य या र थ द
 म द याः दो ऊ र ल दि या लि प रे या॥ ४॥

७२५१॥ ७२५१॥ ७२५१॥

१ नाग अस्तु ति ॥ अथ जय वागवादि निवेदः संज्ञा लिखितं यत्तु जन्म क
ल्याणकारि निःसकल जन्म वदत दयलोचनि स्वकमोचनि हि ॥ १ ॥
मायि नोऽत्रिपाम धिरुमकत अषिल सुर वल म कृत सावतः इग
ह विहित होत्रे नयममि सिंहावादि नीति ॥ २ ॥ लास लो लिखितं जव
ल नु अरु नरुमकत केन क वदु रि लो मर सिका ति मी र धा ल निः म
धु के सार सक्ती साव निवे ॥ वेद न सु द लि द स न रु चि करः अमल
के र निः कमल नि तरः वासु के न व वि के न क गि लि व र उ ल गि धा
रि नीति ॥ ३ ॥ नो सिका ति र के सु म र म ध र अ ध र वि व क म दे विंद वि

७२५१॥ ७२५१॥ ७२५१॥

अवनमु नितातृ उरवन हास दादि नीति ॥ अरु न के स व ल प स
न न ध नी काम र ले त लो व र नु य भं ग्रा भ वा नी त नु इ विः अरु न स
स सिर लो र न लो र नीति ॥ प्रेम व न अ द स ध स हरिः का च ला ति का
के न क क लु लि नि य ति पुर नः सु व वि ला सि नी स र्वे वा रि नीति ॥ ४ ॥
गो ग ॥ पु ॥ गो लि न दि नी कु मा रि मा हां प्रा या ॥ ५ ॥ से व पा लि नी
सं क स र इ नि भ व म य द स नि ह सा नी ॥ ६ ॥ मू नि श ए वा रि नी
गो द द व ल नि दू र म मि द ह नि ह सा नी ॥ ७ ॥ दि ति कु ल ना हि नि

करुष रदलनी सुलवरदादिनीलानी ॥३॥ जेवर्त कननिलकल
रमनिः दिव्यतिलापोसे राती ॥४॥ जागाप्रा ॥ कदा जेस दिवजिनन
दुयाकमानन ॥५॥ मदनमूनतिगेज अरुगति सुदल अतिनसाय
बले ॥ ६॥ वषसमदडा तिलीकनसाया ॥७॥ कनक कुंदनसागि
मनामयद्रुससकदुनसुयानन ॥ ८॥ मवमदवति हिडविजो रया
दानले ॥९॥ खालससितूननयनपनदमोखान गवधिजो फेना
बले ॥ १०॥ मनुमानन ॥ ११॥ नमनसतयावल ॥१२॥ ककक्रायापति
छि वननयावतिमदगे यवजविना नसना ॥ १३॥ जोयिजो रसमि

जिनहगनयाडावल ॥१४॥ जागा ॥ १५॥ जो गि निहैसायि जो
गानीगनपीतवासीनी भग्न कनमपतालि ॥ १६॥ कजो
गनीतंगमदलमेधेयक निवासिनी ॥ १७॥ मरुवादिनिगी
सुलेछोरिनी ॥ १८॥ विडपावसुधा रिनी ॥ १९॥ सी विनिरसवाधि
नितन ॥ २०॥ अतपे तविहारिनी ॥ २१॥ रुधिलभईनी अंमृतधातिनी ॥
दिरंदेगरुविनी ॥ २२॥ वापिनी दलमोदिनि ॥ २३॥ मवचुलि ॥ २४॥ निनी किल
भेनी ॥ २५॥ कनककिंकीली ॥ २६॥ धुधुसासिनि ॥ २७॥ वदनजोतिप्रकाशि ॥ २८॥

भुनक्ति प्रीतिप्रदनाय वसिष्ठ करः वृष भवो हि न तसि सि निः भगवत्सदा
नियायनासिनादे दिनिकह दायनि ॥ ५ ॥ जाग ब्रवा ॥ ५ ॥ तहानि
चि वल न स स नु ग दान ॥ ६ ॥ अग्रसी वल धन जाय नय
जामन ससि अ नि लि स्वा कु क ॥ मोहाया तस ज समाया स
त न स जाया प या हय न म ग्धा कर म तानि ॥ ७ ॥ २ थू ग
सि स सा न स क प त म य ज न ध ल म वि व क म या क ॥ ८ ॥

जा ज र व रू ति थू ग्ग सि डि व ड ति म जो ड थि ज न स दान
त म ता ॥ ९ ॥ १० ॥ क म्म दि स म्म दि द व त ज ज प म्म ग्ग ति ह व न
स्वा दान ॥ ११ ॥ अ ना थ ग न प ति ॥ १२ ॥ स ज न म व म दू चि च द्या
वि न्ना ल स दा प र ता ॥ १३ ॥ जा ग ॥ १४ ॥ जि व रू ज जि व रू ज
नू ॥ सि व य ता ॥ १५ ॥ सि स य स गं ग म ड ता ध ल सि ज रू द
कान क द र र ग न र ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

१३ नमः ॥ ३५ ॥

नि॥ कौस्तुभं मत्तसारं वृद्धिं वेदं ॥ ५ ॥ हमेष्टोत्तरं राज्यं

मेरुसंज्ञासासिनि ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ नैवेद्यं नमः ॥

• सविं दुर्गमिह कृतं वा विमलं यं मनसु भाग्योपायकं नृपते

जेजे तं देवा लका वि तं ॥ १ ॥ म हा यं ॥ २ ॥ य व्र नामी च

न॥ वनस्यासहस्रानां नमः ॥ ४ ॥ विकासराज

श्री ग नैसाधनम ॥ नित्या नन्द कलि हं य कलि सादय नमः
कलि निर्द्वैताखिल ध्यान पावन के निपुण्य के साहं ध्वनि पु
संया उल वं सुधावन कनि (क) गि पूजा धा ध्व नि हि कां दे
सि क धा वि स क न क नि सा रा ध्व पू (ह) ध्व नि नाना सु ध्व व
चित सु ध्व धा क नि हि सा व नि दं व नि सु ध्व दा न वि व र
सा न श ग नि व को ग क र्ता त नि । क म्बु वि ण्म रू वा सि त

ग न प र य त वा वि ग नि ता रु वि ना य कं द वि य त मा हा ते रु मा हा तं ०
प ता क म मा द ल मा क य मे क दं त ग ता त न ध्व न व त न मा हा दी त ता नी
य कं ग ग ना य कं श क मा रा ह द दं त दा रू नै न रु धा री त ना ना ध्व न ता दे
वि ना ना गं धा नू रे प र ना ग रु धो प री ता ग ता नी

क। ग न ग य त ता ॥ व द मु रि व ना नी म न क म न
अ वि ता नि

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
देसया ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
तुका नया सा तो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
युं का नि रवा स शा ति को ति रु दु मा कि ता ॥ म नि वि रि त्र को ग मा सु सु
ले न ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ २ ॥ म यो से ग दु या य ज पि ति मि नि मि ती दे ता सु सु सु शो ग ति सु सु
सु सं दा की नि पु द्गं चि ता ॥ ॥ ३ ॥ त सा दि नी वे ता सु ते न व न्म या ना तो
॥ ३ ॥ छि के र की ता व ना न प र न ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

या य तो छि नं द ता ना म म न्क शो प या ड या य ज ड न वी ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वि रि त्र न य वा दा न द्वा स र वा पु द्गं चि ता ग सु सु सु शो ड था न न ग
न ग म ता सु दि वि नं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
क ना क ल न वा दु या न दे लं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ता वा स ना ल दा लि ना ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
शो छि ता दु ता ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

सहाया ॥ १ ॥ कोति यदि वा कनका तिष्ठन्निहस जैस्य रर्या कु
पाया यदनमन्यपस्यः कस्य पुनगायकयः शोननदियदनापा
॥ ॥ सिंहवाहानकयननतमीलयनयः जैस्य मेघचरायाः शोद
सुरजैरवर्गतिस्त्रयधसः मदिसवाद्यातिलगमया ॥ ३ ॥ सुसुनिस्त्रवध
नकतविक्रयः जैस्यपानन्रुपाया धर्मसाधनमृषेनमाचन
ः सत्रपियासिनः कुदुल्याया ॥ ॥ कनककनकालससंगनसिहिनः
जैस्य शोभनलाया कस्यपन्नननित कनकधिसमादमादपन्ननद
लकलकाया ॥ ५ ॥ पुदि ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नन्दनन्दनना नन्दरुधिरैः फे सुर
राग ॥ ॥ नारायणरसिंह नरहरि नरोत्तम धर्मनासि
निधि ॥ नन्दरुधिरैः नन्दनन्दनना नन्दरुधिरैः नन्दनन्दनना
नन्दरुधिरैः नन्दनन्दनना नन्दरुधिरैः नन्दनन्दनना
नन्दरुधिरैः नन्दनन्दनना नन्दरुधिरैः नन्दनन्दनना
नन्दरुधिरैः नन्दनन्दनना नन्दरुधिरैः नन्दनन्दनना

शुभा, दिग्दिक्कतमेः तन्नमो राजारण्यवाहादुर
भगतिरुकारु तमोः मद नारायणी ॥२॥